मूल्य – 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

जुलाई – 2019

वर्ष 7, अंक 10, पृ.सं. 20

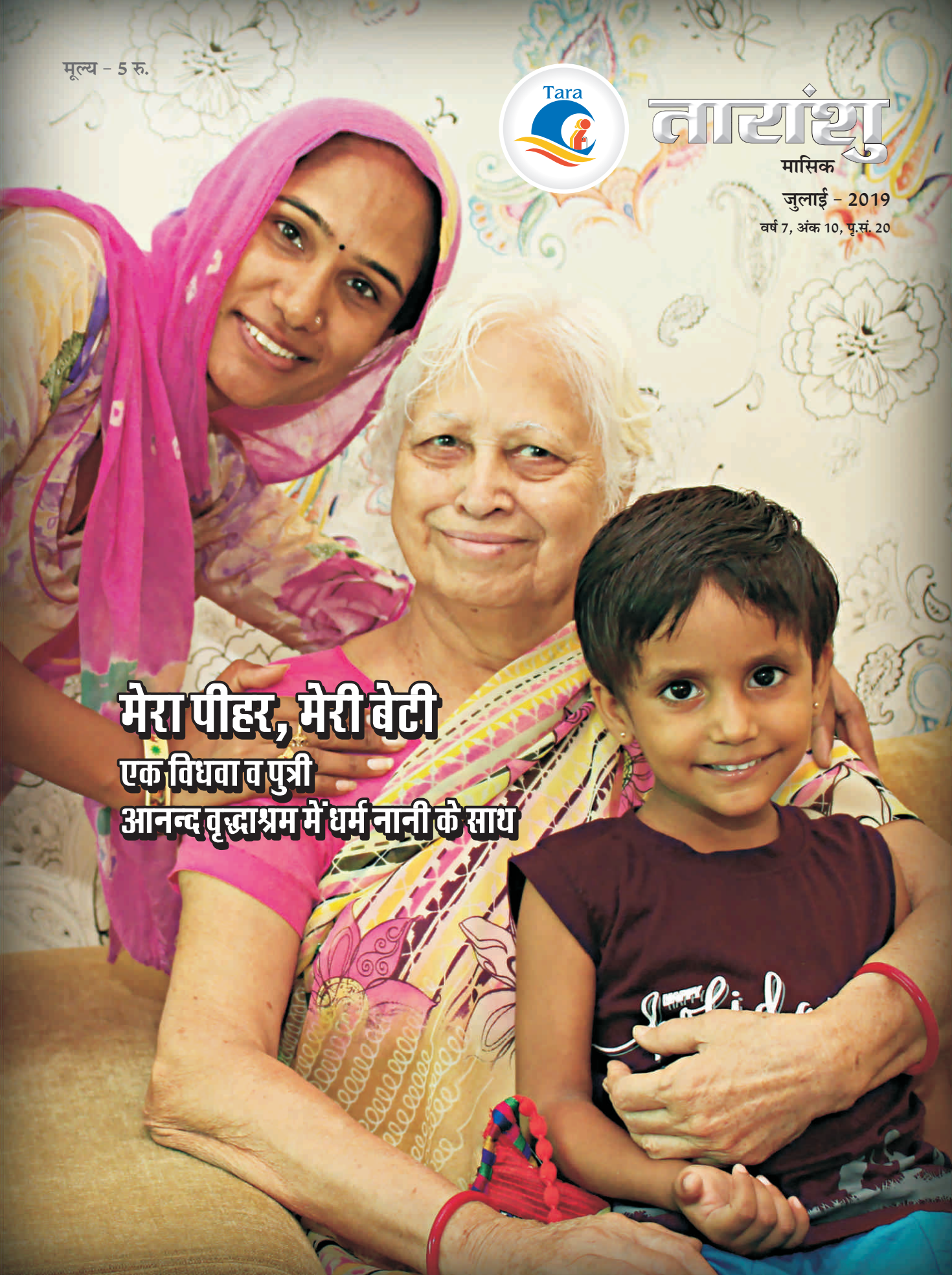

मेरा पीहर, मेरी बेटी

एक विधवा व पुत्री
आनन्द वृद्धाश्रम में धर्म नानी के साथ

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं है जितना कि सीखने की इच्छा ना रखना।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय — पृष्ठ संख्या

आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर 02
अनुक्रमणिका.....03
लेख - 1 : मंथन.....04
लेख - 2 : मेरा पीहर - मेरी बेटी.....05
गौरी योजना : विस्तृत विवरण : मेरा पीहर, मेरी बेटी.....06-08
भारत में विधवाओं की स्थिति.....09
तृप्ति योजना.....10
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर / मस्ती की पाठशाला.....11
हमारे भामाशाह/न्यूज ब्रीफ.....12-13
बारिश में आँखों का रखें खास ध्यान.....14-15
विनम्र अपील / नेत्र शिविर सौजन्य.....16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर.....17
धन्यवाद / अभिनन्दन.....18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान.....19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

मंथन

पायल ओड़

अभी कुछ समय पहले ही मेरी मुलाकात चिराग 5 वर्ष, अनिकेत 8 वर्ष व उनकी माँ पायल जिनकी उम्र 27 वर्ष भी नहीं होगी से हुई... चिराग अपने पापा को बहुत याद करता है, रोता है.... पायल ने बताया कि उनके पति की उम्र 28 वर्ष थी व सिर्फ उल्टी दस्त हो हुए और अस्पताल में इलाज के वक्त ही उनकी मृत्यु हो गई। पायल अपने दोनों बच्चों का एडमिशन शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में करवाने व गौरी योजना में अपना नाम जुड़वाने आई थी और जब ज्यादा बात हुई तो उसने बताया कि ससुराल वाले कह रहे तुम तीनों घर से निकल जाओ।

गौरी योजना 2011 तारा संस्थान के शुरूआत से ही मेरे दिल को सुकून देती रही है, छोटी बच्चियाँ 22 से 35 उम्र की, जिनकी शादी 18 या 19 वर्ष में ही कर दी गई और अकस्मात उनकी हँसती मुस्कुराती जिन्दगी आँसुओं में डूब गई। जब इन महिलाओं से मुलाकात होती है तो सबसे बड़ी पायल की तरह ही समस्या जो मेरे अनुभव में अब तक सामने आई है वो है कि कुछ महिलाओं के ससुराल पक्ष वाले बेहद राक्षसीय व्यवहार करते हैं एवं मृत्यु के कुछ दिनों बाद ही अपनी बहुत एवं पोता–पोती को पर से बाहर निकाल देते हैं, अब उस अबला नारी के पास एकमात्र सहारा उसका मायका होता है और निम्न आर्य वर्ग में वैसे ही परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है, अतः भावनात्मक टूटन के साथ–साथ ही ये चिन्ता बड़ी हो जाती है, कैसे सबका पेट भरा जाये.....?

प्रश्नचिह्न ये है कि महिला के ससुराल वाले अपनी ही बहू और बच्चों के साथ इतना विषम व्यवहार कैसे कर पाते हैं, उन्हीं के बेटे का परिवार है, जिसे अभी उनके संबल और विश्वास प्यार की अधिकतम जरूरत जिन्दगी के इस वक्त में है उसी वक्त में उसे वे गहरी पीड़ाओं का दोहराव कर रहे हैं..... इस अनुत्तरित प्रश्न का जवाब नहीं है, मेरे पास..... बस 1000 रु. आप द्वारा गौरी योजना के रूप में..... ''एक माँ को अनुपम उपहार'' उनके जिगर के टुकड़े की पढ़ाई की चिन्ता को दूर किया है आदरणीय भार्गव सा. ने ''निःशुल्क शिक्षा, विधवा महिलाओं के बच्चों हेतु'' देकर..... 1000 रु. को माह जुलाई 2000 रु. कर दिया गया है, निश्चित ही आप भी ये जानकार तसल्ली महसूस करेंगे एवं महंगाई के इस दौर में हमारे दानवीर दानदाता भी थोड़ा अधिक दयालु होंगे।

एक ही उपाय है कि ''बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ'' एवं इस नारे को सार्थक करने में हम पूरा योगदान करें, अपनी छोटी कोशिशों से।

मस्ती भरी पाठशाला भी ऐसा ही एक कदम है जिसके आप सबकी आर्थिक मदद से, वो बच्चों की होठों की मुस्कुराहट बड़ी हो रही है।

कल्पना गोयल

जिसके पास धैर्य है वह जो चाहे वो पा सकता है।

''मेरा पीहर - मेरी बेटी''

थोड़ा अजीब सा टाइटल है ना लेकिन इस अजीब से टाइटल ने कुछ बेटियों के और हमारे लिए एक दिन यादगार बना दिया। दरअसल कुछ दिनों पहले कल्पना जी को ये ख्याल आया कि गर्मी की छुट्टियाँ चल रही हैं और सामान्यतः लड़कियाँ बच्चों की छुट्टियों में पीहर ले जाती हैं माता–पिता के पास, बच्चे नाना–नानी के पास। वो जब वापस आती हैं तो उन्हें नाना–नानी कुछ तोहफे और मिठाई देते हैं। मेरी पत्नी भी पीहर अजमेर जाती है क्योंकि उसे वो निश्चिंतता लुभाती है जो माँ के पास जाने पर मिलती है। कभी भी उठो कहीं भी चले जाओ बच्चों को नानी संभाल लेगी। शायद मैं उतने अच्छे से वर्णन नहीं कर पा रहा लेकिन जो भी महिलाएँ हैं उन्हें पता है पीहर जाने की मौज का। कल्पना जी भी उदयपुर में रहते हुए भी गर्मी की छुट्टियों में अपनी मम्मी के पास 4–5 दिन के लिए जाती रही हैं तो उन्हें एक विचार आया कि हमारी गौरी योजना से लाभांवित बहुत सी महिलाएँ हैं जो पीहर नहीं जा पाती हैं या फिर उन्हें वो निश्चितता नहीं मिल पाती है क्योंकि उनके लिए अपनी और बच्चों की मूलभूत आवश्यकताएँ पूरा करना ही ध्येय रह जाता है। तो क्यों ना इन महिलाएँ को पीहर के एक दिन का सुख तो देवें और इसके लिए आनन्द वृद्धाश्रम से बेहतर जगह क्या होगी जहाँ बेटियों को माता–पिता, बच्चों को नाना–नानी और वृद्धजनों को भी तो बेटियाँ और दोहिते–दोहिति मिल जायेंगे, बस यही विचार को नाम दिया गया ''मेरा पीहर – मेरी बेटी''।

इस विचार पर काम शुरू हुआ संगीता जी और राव सा. को क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गई। तारीख निश्चित की गई तोहफे में दो साड़ियाँ देना, एक कंबल, छोटी सी नकद राशि और बच्चों के लिए एक खिलौना देना तय किया गया। आनन्द वृद्धाश्रम की पौद्दार आंटी ने देने के लिए बेसन की चक्की के एक–एक किलो के डिब्बे बनवाएं।

वो दिन आ गया जब बेटियाँ पीहर आई; आते ही नाश्ता हुआ फिर माता–पिता–बेटियों–बच्चों ने मिलकर कुछ गेम खेले उसके बाद भोजन हुआ भोजन के बाद थोड़ी अनौपचारिक बातचीत उसके बाद कुछ भजन, कविता, गाना, नाचना हुआ फिर शाम को चाय व फलाहार के बाद तोहफों के साथ बेटियों वापस विदा हुई। जब वापस जाने लगी तो कई बेटियों की आँख में आँसू थे तो कुछ माता–पिता की अपने भावों को नहीं संभाल पाए, सच मानिये हमारी सोच से कहीं ज्यादा प्यारा ये दिन था। कितनी बेटियाँ ऐसी थी, जिन्होंने ये कहा कि हम तो भूल ही गए थे कि पीहर जाना कैसा होता है, कुछ तो सालों से पीहर गई ही नहीं थी। बच्चे सोफे पर से कूद रहे थे तो लगा कि हमारी सोच सफल रही क्योंकि ये निश्चितता देना ही तो लक्ष्य था। एक दिन वैसे तो कुछ नहीं होता पर यह एहसास विशेष होता है कि आप अपनों के साथ हो और उस एक दिन आपको कुछ नहीं करना है, खान–नाश्ता कुछ भी नहीं, जीवन के संघर्षों में फंसी इन बच्चियों को हमने खुशी का एक दिन भी दे दिया तो ये हमारा सौभाग्य था और हमने अब ये भी निश्चय किया कि समय–समय पर ऐसा एक दिन इनको देते रहेंगे उसके लिए मई जून का इंतजार नहीं करेंगे क्योंकि छुट्टियाँ तो दीपावली और सर्दियों की भी होती ना ☺।

हमारी कोई भी योजना आपके सहयोग के बिना असंभव है और आप सब जो तारा से जुड़े हैं यही हमारी ताकत है तभी तो हम कुछ सोचते हैं और उसे पूरा कर लेते हैं। यह खुशी जो इन बच्चियों को मिली उसका कारण आप सब ही हैं सो इसे बाँट लिया... और बाँटने से तो ये बढ़ भी गई।

आदर सहित...

दीपेश मित्तल

विस्तृत विवरण : मेरा पीहर, मेरी बेटी

गौरी योजना की महिलाओं व उनके बच्चों का आनन्द वृद्धाश्रम स्वरूप पीहर में एक दिन

गीत नृत्य में आनन्द विभोर एक गौरी लाभान्वित महिला

दिनांक 29 जून, 2019 को तारा संस्थान ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। ''मेरा पीहर, मेरी बेटी'' की थीम के अन्तर्गत गौरी योजना की लाभार्थी विधवा महिलाएँ अपने बच्चों के साथ आनन्द वृद्धाश्रम रूपी अपने पीहर पहुँची। प्रथम विचार यह था कि महिलाएँ अपने बच्चों सहित पीहर जाने का अहसास करें खास तौर पर अपने बच्चों की गर्मी की छुट्टियों के दौरान। और वृद्धाश्रमवासियों के रूप में माता-पिता के संसर्ग का आनन्द उठाएँ। उधर इन विधवा महिलाओं के बच्चे भी अपने ननिहाल सा माहौल पाकर नाना-नानियों के साथ कुछ खुशनुमा पल बिताएं। तो जब कोई 20 गौरी योजना की महिलाएँ जब अपने बच्चों के हुजूम के साथ आनन्द वृद्धाश्रम पहुँची तो वृद्धजन उनके प्यार सत्कार के लिए जुट गए।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु.	06 माह - 6000 रु.	01 माह - 1000 रु.

सर्वप्रथम बच्चों व महिलाओं ने बुजुर्गों के साथ चाय–नाश्ता किया। फिर वे उनके साथ विभिन्न खेल खेले, एवं खूब धमा चौकड़ी मचाई। खेलों में विभिन्न प्रकार के खेले जैसे सुई बटन, ताली मार तथा अत्यांक्षरी आदि खेले गए। फिर दोपहर को लंच का समय हो गया तो गौरी की महिलाओं, बच्चों व वरिष्ठ नागरिकों ने हिलमिल कर स्वादिष्ट लंच का लुत्फ उठाया। सबने साथ मिल बैठ कर खाना खाया एवं खूब गपशप भी लगाई। उसके बाद आराम का समय हो गया और सब जन आराम करने चले गए। आराम के पश्चात् लगभग 4 बजे चाय के समय पुनः हलचल शुरू हुई। क्या बच्चे, क्या बुढ़े सब खेलकूद, गाने बजाने में लग गए। ढोलक की थाप पर नृत्य का समां बंध गया। बच्चे अपने नाना–नानी और महिलाएँ अपने पीहर के पलों को भरपूर आनन्द के साथ जी रहे थे।

उसके पश्चात् विभिन्न गेम्स खेले गए और विजेताओं को पुरस्कार कभी दिए गए। कई छोटे–छोटे बच्चों ने शानदार कविता, गीत आदि की प्रस्तुतियाँ दीं। वहीं महिलाओं ने बढ़ चढ़कर इनामी राशि बटोरी। इस प्रकार देखते–देखते ही सारा दिन निकल गया। महिलाओं व बच्चों को विदा करने से पहले आनन्द वृद्धाश्रम वासियों ने उन्हें कपड़े–लते, साड़ियाँ, कम्बल के साथ नाना प्रकार के गिफ्ट व मिठाई का डिब्बा उपहार में दिया। विदाई के समय कई महिलाएँ भावुक हो गई, शायद उनको लगा कि इतने सुंदर अनुभव को कैसे इतनी जल्दी खत्म किया जा सकता है।

समस्त महिला गौरी महिलाओं ने विदाई के समय बुजुर्गों से आशीर्वाद लेकर उनके दीर्घ स्वास्थ्य की कामना की। इस प्रकार एक विशेष कार्यक्रम ''मेरा पीहर, मेरी बेटी'' की भावपूर्ण समाप्ति हुई एवं सब लोग अपनी शानदार यादों के साथ अपने–अपने घर लौट गए।

आनन्द वृद्धाश्रम वासी नाना गौरी महिलाओं के बच्चों को प्रेम से नाश्ता खिलाते हुए

गौरी महिलाएँ हिलमिल कर खेल खेलते हुए

बच्चे वृद्धजनों के साथ मजेदार गेम्स खेलते हुए

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मित्ति 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	

एक बालिका अपने उपहार के साथ

नन्हे-मुन्हे विभिन्न प्रस्तुतियाँ देते हुए

गौरी महिलाओं को उपहार देती वृद्धाश्रम की माताएँ

फायदा कमाने के लिए न्योते की जरूरत नहीं होती।

भारत में विधवाओं की स्थिति

कुछ साल पहले एक एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में एक पीआईएल दाखिल की थी। इसमें विधवाओं की दयनीय हालत को सुधारने की बात कही गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से विधवाओं को पर्याप्त घर उपलब्ध कराने के लिए कहा। साथ ही मंथली ग्रांट को इस साल 1 जनवरी से 1300 से 5100 रुपए तक बढ़ाने के लिए कहा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद केंद्र सरकार वृंदावन में एक हजार विधवाओं के रहने के लिए घर बनवाएगी। इसके लिए 57 करोड़ का बजट रखा गया है। इनके मेन्टेनेंस के लिए हर साल 4 करोड़ रुपए दिए जाएंगे तथा वृंदावन की विधवाओं को राहत देने के साथ–साथ सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के दूसरे शहरों और पश्चिम बंगाल, ओड़िसा और उत्तराखंड की विधवाओं को भी रिलीफ देने की ओर ध्यान दिया है।

संतुलित समाज की कल्पना को साकार करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बहुत ही सराहनीय और सम्मानजनक है क्योंकि हमारे देश के अंदर समाज में विधवाओं की बहुत ही दयनीय स्थिति है ।

हम सब एक सामाजिक समुदाय का हिस्सा हैं। हमें सदैव एक–दूसरे की मदद करनी चाहिए। हमें एक–दूसरे की समस्याओं के बारे में पता होना चाहिए जिससे समाधान की दिशा में सही कदम उठाए जा सकें। देश भर में बड़ी संख्या में महिलाएं युद्ध, हिंसा व बीमारी के चलते अपने पतियों को खो देती हैं और वो विधवा कहलाने लगती हैं। विधवाओं के साथ हमेशा से भेदभावपूर्ण व्यवहार होता आ रहा है। एक अनुमान के अनुसार पति की मौत के बाद अभिशाप समझकर परिवार द्वारा निकाली गईं, ऐसी महिलाओं की संख्या करीब चार करोड़ के आस–पास है तथा आंकड़ों के मुताबिक भारत में 5 करोड़ विधवाएं हैं, परंपरा, रीति–रिवाज के नाम पर इन्हें इनके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, परिवार के अंदर उन्हें बोझ समझा जाता है।

वृंदावन और बनारस में रह रही हजारों विधवायें पिछले कई सालों से समाज की मुख्यधारा से दूर एक गुमनाम जिंदगी बिता रही हैं। जो पति की मौत के बाद परिवार से निकाल दी गईं और देश के कई हिस्सों में भटकने के बाद वृंदावन और बनारस के विभिन्न आश्रमों में पहुंची या खुद परिवार द्वारा यहां जबरन पहुंचा दी गईं। विधवाओं की खराब स्थिति के लिए अशिक्षा एक बड़ी वजह है। जहां अशिक्षा है, वहां गरीबी होना तय है। गरीबी की वजह से विधवाओं को बुनियादी जरूरतें जैसे भोजन, कपड़े और दवाएं उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। अनपढ़ होने की वजह से इन महिलाओं को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होता और वे चुपचाप शोषण बर्दाश्त करने को मजबूर हो जाती हैं। उनके लिए राज्य और केंद्र सरकारों की कई योजनाएं हैं, पर इनका लाभ उन तक नहीं पहुंचता। गैर समाज सेवी संस्थाओं की मदद से इनमें से कुछ को रहने और खाने का आसरा मिल जाता है।

लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में ऐसी विधवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापिस लाए जाने की जरूरत है। जो अपने तन पर सफेद साड़ी आते ही समाज के रिश्ते–नातों और दुनिया के रंगों से अलग कर दी जाती हैं । वे अब बदलते समय के साथ समाज की मुख्यधारा में लौटना चाहती हैं और इनमें से कई विधवाएं एक बार फिर विवाह बंधन में बंधने एवं नई जिन्दगी जीने का सपना भी देखती हैं। अतः महिलाओं को विधवा होने के बाद पुरुषों की ही तरह फिर से विवाह करने का अधिकार होना चाहिए। क्योंकि रीति–रिवाज इंसान के लिए हैं न कि इंसान रीति–रिवाज के लिए, अगर किसी अच्छे काम के लिए रीति–रिवाज को बदलना पड़े तो हमें बदल देना चाहिए।

तृप्ति योजना :

मैं दुकान से सामान उधार लेने नहीं जाती क्योंकि तारा संस्थान ने सब व्यवस्था कर दी है : श्रीमती वेलू बाई

वेलू बाई 80 वर्ष से ऊपर की आयु में अपने एक झोंपड़े से घर में निपट अकेली रहती है। पति 3–4 वर्ष पहले चल बसे। कोई पुत्र नहीं है 2 पुत्रियाँ ब्याही होकर ससुराल में हैं। अतएवं वेलु बाई अत्यन्त एकाकी जीवन गुजार रही है।

ऊपर से जीवन जीने के लिए रोटी पानी की व्यवस्था कहाँ से करें? एक खेत था जो, पति की मृत्यु के बाद मृत्यु भोज हेतु पैसा, जुटाने के लिए गिरवी रख दिया। कैसी कुप्रथा है मृत्युभोज भी? गिरवी रखा खेत आज तक नहीं छुड़वा सकी बल्कि इस जीवन में तो संभव ही नहीं। दाने–दाने को मोहताज वेलु बाई नामक अति वृद्धा की जानकारी तारा संस्थान तक पहुँची तो तुरंत तृप्ति योजना के तहत मासिक राशन व 300 रु. नकद देने की व्यवस्था की गई। इस प्रकार वेलू बाई बुढ़ापे में भूख से मर ने से बच गई वरना अंजाम तो बुरा ही होने वाला था।

वेलु बाई राशन का सामान पाकर अति प्रसन्न है एवं दानदाताओं की आभारी है एवं तारा संस्थान को भी धन्यवाद देती है कि उन्हें जीवन की संध्या पर कोई तो संभालने आया। वेलु बाई अब दुकान से सामान उधार लेने नहीं जाती क्योंकि तारा संस्थान ने सब व्यवस्था कर दी है।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु.	06 माह - 9000 रु.	01 माह - 1500 रु.

सुदूर ग्रामीण इलाकों में तृप्ति योजना के अन्तर्गत सहायता पहुँचाने का एक दृश्य

तीन चीजें ज्यादा देर तक नहीं छुप सकती, सूरज, चंद्रमा और सत्य।

3 जुलाई को तारा संस्थान के मुख्य संरक्षक श्री नगेन्द्र प्रसाद भार्गव एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा भार्गव की शादी की वर्षगाँठ

इस अवसर पर शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा उनको बधाइयाँ प्रेषित की गई और स्कूली बच्चों को उपहार व स्नैक्स वितरित किए गए

मस्ती की पाठशाला

मई-जून में मस्ती की पाठशाला में आर्टस एवं क्राफ्ट क्लास आयोजित की गई

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000 प्रति वर्ष

हमारे भामाशाह :

मनोरमा धवल माताजी
बसंत विहार, दिल्ली

आपका आशीर्वाद व मार्गदर्शन संस्थान को विगत 7 वर्षों से मिल रहा है। आपसे प्रतिवर्ष 6 जून के दिन आपके जन्मदिन पर मिलना होता है। आप प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति में मग्न रहती हैं। संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमवासियों को प्रतिवर्ष आपकी और से सहयोग प्रदान किया जा रहा है। संस्थान परिवार के समस्त आवासी, लाभार्थी एवं साधकगण आपके कुशलक्षेम की कामना करते हैं एवं आप स्वस्थ रहे, दीर्घायु बनें इसी मनोकामना के साथ... तारा परिवार, उदयपुर।

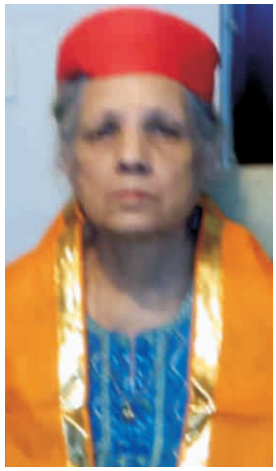

श्रीमान् प्रेमचन्द जी गोयल,
निवासी रोहतक (हरि.)

श्रीमान् प्रेमचन्द जी गोयल, निवासी रोहतक (हरि.) उम्र 86 वर्ष के है। गोयल सा. के कपड़ों का व्यवसाय रहा है वर्तमान में आपके बेटे श्री विनोद जी सम्भालते हैं। गोयल सा. नारायण सेवा संस्थान से सन् 2000 से जुड़े हुए है और तारा संस्थान से जुड़ाव 2013 से रहा है। गोयल सा. की दान भावना अनुकरणीय है। वे हमेशा सेवाभावी व्यक्ति रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ :

04.06.2019

श्रीमती कृष्णा व श्री अशोक कुमार मंत्री नि. कुचामन सिटी, नागौर ने अपनी शादी की वर्षगाँठ आनंद वृद्धाश्रम में भोजन प्रसाद आयोजित करके मनाई। इस अवसर पर उनके परिवारगण तथा मित्र भी उपस्थित थे। तत्पश्चात् तारा संस्थान द्वारा मंत्री परिवार का सम्मान किया गया।

05.06.2019

पर्यावरण दिवस पर तारा संस्थान के वृद्धाश्रम वासी पौधे रौपते हुए।

खुद वो बदलाव बनिए जो दुनिया में आप देखना चाहते हैं।

09.06.2019

रेवाड़ी (हरियाणा) में तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा आयोजित स्नेह मिलन।

09.06.2019

उज्जैन में तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा आयोजित स्नेह मिलन।

09.06.2019

फरीदाबाद में तारा संस्थान का विशाल नेत्र शिविर : 9 जून को तारा संस्थान के भामाशाह श्री सुदर्शन जी खुराना के सौजन्य से एक विशाल नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद आपरेशन चयन शिविर आयोजित किया गया जिसमें सैंकड़ों लोग लाभान्वित हुए तथा 29 मरीज ऑपरेशन हेतु चयनित हुए।

30.06.2019

तारा संस्थान द्वारा भीलवाड़ा में आयोजित स्नेह मिलन की ग्रुप फोटो

तारा नेत्रालय सलाह :

बारिश में आँखों का रखें खास ध्यान

वर्षा ऋतु के दौरान वातावरण में चारों तरफ नमी होने की वजह से बीमारी के रोगाणु जैसे वायरस, जीवाणु और फंगस के पनपने का खतरा अधिक होता है। मानसून सीजन अपने साथ कई प्रकार की बीमारियां भी लेकर आता है। विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे मौसम में लोगों को अपनी आंखों का खास ध्यान रखना चाहिए क्योंकि बारिश के साथ आँखों की समस्याएं बढ़ जाती हैं। नेत्र संक्रमण, कार्निया का गलना, आंख आना (कंजक्टिवाइटिस) जैसी समस्याएं आमतौर पर बारिश के दिनों में होती हैं।

इस दौरान 10 में से 6 लोग आंखों की समस्या से पीड़ित हो जाते हैं। लोगों को इस मामले में सतर्क रहने की जरूरत है। बारिश के दिनों में आंखों की सही तरीके से देखभाल की जाए तो इस समस्या से बचा जा सकता है।

विशेषज्ञों की राय है कि जब भी आंखों में किसी तरह का संक्रमण हो तो आंखों को रगड़ें नहीं। मानसून में हाथों में कई तरह के रोगाणु चिपके होते हैं जो अनजाने आंखों में चले जाते हैं। इसके कारण आंखों में संक्रमण हो जाता है। वहीं, आंखों की देखभाल भी काफी जरूरी है।

आंखों की देखभाल तब शुरू होती है, जब आप नियमित रूप से आंखों को धोते हैं, इससे आंखें साफ और सुरक्षित रहती हैं। चूंकि मानसून में आंधी–तूफान और हवा के साथ धूल–मिट्टी के साथ दूसरे प्रदूषित कण होते हैं जो आंखों में चले जाते हैं। आँखों को धोना ही इनसे बचाने का सबसे बेहतर तरीका है। यदि इसके बाद भी खुजली हो तो चिकित्सक से संपर्क करें।

आंखों पर अधिक दबाव बनाए जाने से संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। अगर आप घंटों कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो इससे आंखों पर दबाव पड़ना स्वाभाविक है। पलकों को न झपकाने और सफाई न करने से भी संक्रमण होता है। लोग आंखों की सफाई पर ध्यान नहीं देते जिससे आंखों का संक्रमण होता है। साथ ही कुछ अपने इस्तेमाल की चीजों को जैसे– तौलिया, आंखों का मेकअप, लेंस, शेड्स इत्यादि किसी दूसरे के साथ बिलकुल भी साझा न करें। इससे आंखों का संक्रमण हो सकता है।

इसलिए जब भी आंखों में खुजली का एहसास हो, तुरंत आखों को धो लें, इसके बाद विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। धूल के कण बहुत छोटे होते हैं जो आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाते हैं।

आँखों की आम देखभाल के अन्य टिप्स :

- आँखों में गॉगल्स या यूवी प्रोटेक्टव लैंस वाले चश्मे का प्रयोग करें।
- आँखों में गुलाब जल डाले।
- सेब का मुरब्बा खायें और उसके बाद दूध का सेवन करें ऐसा करने से आंखों की रोशनी तेज होती है।
- प्रतिदिन फल और सब्जियों का सेवन करने से आंखों की शक्ति बढ़ती है।
- कंप्यूटर पर काम करते समय स्क्रीन पर लगातार न देखें। 20 मिनट के बाद आंखें हटा लें ऐसा करने से आंखों को आराम मिलता है।
- 1 मिनट में कम से कम 10 से 12 बार आंखों की पलकें झपकाते रहें। ऐसा करने से आंखें रुखी नहीं रहती हैं।
- लेटकर या झुककर पढ़ना भी आंखों के लिए ठीक नहीं है। पढ़ते समय प्रकाश पीछे से आना चाहिए।
- चलती हुई बस या गाड़ी में किताब पढ़ने से आखें खराब हो जाती हैं।
- नींद कम लेने से भी आंखों पर बुरा असर पड़ता है, कम से कम 7 घंटे की नींद जरूर लें।
- सुबह के समय में आप अपने दोनों हाथों को आपस में रगड़कर उसकी गर्मी को अपनी आंखों पर लगाएं। इस उपाय से आंख की कमजोरी दूर होती है।
- भोजन में हमेशा विटामिन A, B, C भरपूर मात्रा में लेना चाहिए। विटामिन की कमी से रतोंधी नामक रोग हो सकता है।
- पैरों के तलवों पर सरसों तेल की मालिश करें, सुबह के समय नंगे पैर हरी घास पर चलें।

अगले पृष्ठ पर ज़ारी.....

.....पिछले पृष्ठ से जारी

- रोजाना दिन में कम से कम दो बार अपनी आँखों में ठन्डे पानी के छीटे अवस्य मारें।
- ठंडी ककड़ी के स्लाइस काट कर 10 मिनट आँखों पर रखें, पानी अधिक पिएं।
- सप्ताह में कम से कम 3 बार, बादाम–दूध पिएं। इसमें विटामिन 'ई' होता है जो आंखों के लिए फायदेमंद होता है।
- आंवला–दूध सुबह खाली पेट पीना भी आपको फायदा पहुँचायेगा।
- जिस कमरे में कंप्यूटर हो उसमें उचित प्रकाश होना जरूरी है। जब भी कंप्यूटर के पास बैठें तो हर 20 मिनट के बाद 20 सैकंड के लिए स्क्रीन से नजरें हटा लें और 20 फुट दूर की किसी चीज पर अपनी नजरें स्थिर करें। कंप्यूटर मॉनिटर को कुछ इस तरह सेट करें कि आंखें मॉनिटर के टॉप लेवल पर हो। कंप्यूटर का ब्राइटनेस लेवल सेट करें या एन्टीग्लेयर कवर और कंप्यूटर ग्लास फिट कराएं।
- बेहतर लेंस का प्रयोग करें या एन्टी ग्लेयर चश्मा पहनें।
- जब भी स्क्रीन के सामने 1 घंटे से अधिक बैठें, तो पलकें धीरे–धीरे झपकाएं।
- स्मॉल ब्रेक्स और हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है।
- साल में एक बार अपने आँखों की जांच जरूर करवाएँ।

तारा नेत्रालय

(उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद, रतलाम, लोनी)

अत्याधुनिक उपचार सुविधाएं पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध है:

ओ.पी.डी.

ऑप्टोमेट्रिक जाँच

विशेषज्ञ जाँच

ऑपरेशन

वार्ड

ऑपरेशन पश्चात्

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन	09 ऑपरेशन	06 ऑपरेशन	03 ऑपरेशन	01 ऑपरेशन
51000 रु.	27000 रु.	18000 रु.	9000 रु.	3000 रु.

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer
ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. **4,20,000/-** (चार लाख बीस हजार रुपये)

A-Scan ए-स्केन

इस मशीन के द्वारा मोतियाबिन्द के मरीजों की आँख के प्रत्यारोपित किये जाने वाले लैंस का पॉवर/नम्बर निकाला जाता है।

कीमत रु. **2,00,000/-** (दो लाख रुपए)

नेत्र शिविर सौजन्य
मोतियाबिन्द
जाँच-चयन-शिविर
आयोजन एवं 30 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य,
प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच -
चश्मा वितरण -
दवाई सहयोग राशि,
प्रतिशिविर - 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश/चैक/डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर/ ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई-मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये।

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जून – 2019 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री सौरभ जैन, श्री रविन्द्र कुमार दीक्षित – नई दिल्ली

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

वर्धमान प्लाजा – दिल्ली, श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, श्री शिव नारायण चौकसी – जबलपुर (म.प्र.), श्री संजय अग्रवाल (सिंघल ग्रुप ऑफ कम्पनीज) – रायपुर (छत्तीसगढ़), श्री सुदर्शन खुराणा – फरीदाबाद (हरियाणा), टी.आर.आई.न्युट्रीएंटस प्राइवेट लिमिटेड (सी. एस. आर. इनिशिएटिव) – दिल्ली, श्रीमती शांति राय पुत्र श्री सुनील वैद्यनाथ राय – मुम्बई,

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद (उ.प्र.)

एस.सी.सी. हाईट्स, निकट पिपलेश्वर मंदिर, राजनगर एक्सटेंशन (गोल चक्कर के सामने) गाजियाबाद

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 9 शिविर (देशभर में)

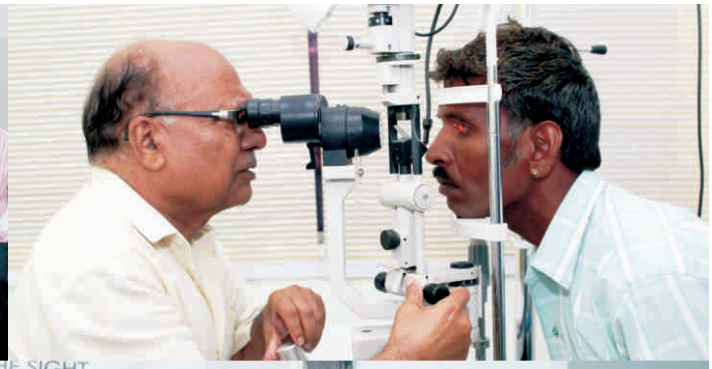

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

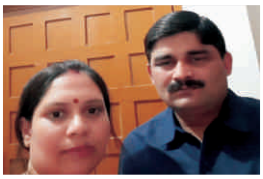

Mrs. Bhawana Singh - Mr. Alok Singh
Jabalpur (MP)

Mr. Ramesh - Mrs. Suman Datta
NIT Faridabad (HR)

Lt. Mr. Dau Dayal Agrawal - Lt. Mrs. Barfi Devi
Kota (Raj.)

Mr. Om Parkash Rungta and Family
Pune (MH)

Mrs. Vinod Kumari and Family
Kota (Raj.)

Mrs. Anita - Mr. Anil Godbole
Ujjain (MP)

Mr. Rameshwar Lal Rathi - Mrs. Satwanti Devi
Ajmer (Raj.)

Mr. Vijay Kumar Gupta - Mrs. Shakuntala Devi
Bikaner (Raj.)

Mr. S.S. Vyas - Mrs. Pavitra Vyas
Ujjain (MP)

Mr. Laxmi Narayan - Mrs. Rukmani Bai Parmar
Ujjain (MP)

Lt. Mrs. Umabai Ji
Pune (MH)

Pooja Solanki
D/o Bhavesh, Mumbai

Mrs. Vidya Godbole
Pune (MH)

Mr. Bhimaji Kapuraji Mali
Keshwana, Mumbai

Lt. Mr. Laxman Lokre
Pune (MH)

Mr. Chandrabhan M.
Kota (Raj.)

Mrs. Urmila Patel
Nashik (MH)

Mr. Vijay Kumar Dubey
Raipur (CG)

Mr. R.B. Agrawal
Agra (UP)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री राजेश बंसल - श्रीमती स्वर्ण बंसल
लुधियाना (पंजाब)

श्रीमती देवी - श्री तेजराम सैनी
सैनी विहार, मुंडका, नई दिल्ली-41

श्रीमती मुन्नी देवी चौधरी
दिल्ली

श्री बी.डी. - श्रीमती कमला गोयल
पटियाला (पंजाब)

श्री जिन्दू जैन पुत्र श्री देवराज जी,
हिसार (हरि.)

श्री इंदर सिंह पुत्र श्री नन्दराम जी
हिसार (हरि)

श्रीमती इन्द्रा - श्री राजीव रंजन पाण्डे
पटना (बिहार)

श्री जगत नारायण सिन्हा
पटना (बिहार)

श्री गुलाब चन्द जैन
हैदराबाद

श्री राजकुमार जैन
पटियाला (पंजाब)

श्री नन्दराजोग जी
दिल्ली

श्री चन्द्र प्रकाश दुआ
दिल्ली

श्री हरदेव नारायण
श्रीवास्तव, पटना

श्री प्रदीप जी
पटियाला (पंजाब)

श्री सुभाष चन्द्र दुआ
जालंधर (पंजाब)

श्री तकियार जी
दिल्ली

श्री पंकज भाई कपाड़िया
सूरत (गुज.)

जब तक काम हो ना जाये वो असंभव लगता है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban).... A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India..... A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645... IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank..... A/c No. 912010025408491 .... IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank ..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank..... A/c No. 0169101056462..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India.... A/c No. 3309973967..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank... A/c No. 8743000100004834... IFSC Code : punb0874300
Yes Bank..... A/c No. 065194600000284 .... IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Udaipur

236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad - 211022 (U.P.), Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9,
Udaipur - 313002 (Raj.), Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जुलाई - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रातः 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org